भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3059
दिनांक 07 अगस्त 2025

बिहार में पाइप से प्राकृतिक गैस कनेक्शन

†3059. **डॉ. आलोक कुमार सुमनः**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि बिहार में और विशेषकर गोपालगंज, मुजफ्फरपुर और सारण जिलों में पाइप से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के कनेक्शन संबंधित एजेंसियों द्वारा विलंब से दिए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) बिहार में आज की तिथि तक गोपालगंज जिले और आसपास के अन्य क्षेत्रों में प्रदान किए गए कुल कनेक्शनों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या बिहार में और विशेषकर गोपालगंज जिले और अन्य जिलों में पाइप से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराने के मुद्दे से उपभोक्ताओं पर काफी दबाव पड़ रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने संबंधित एजेंसी को शीघ्रातिशीघ्र काम पूरा करने का निर्देश दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या बिहार में और विशेषकर गोपालगंज जिले और आसपास के अन्य जिलों में संबंधित एजेंसियां वाणिज्यिक व्यवहार्यता के होते हुए भी पाइप से प्राकृतिक गैस के कनेक्शनों में जानबूझकर विलंब कर रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या कार्रवाई की जानी है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ङ) पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन प्रदान करना नगर गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क के विकास का एक हिस्सा है और यह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा प्राधिकृत कंपनियों द्वारा किया जाता है।

गोपालगंज जिला उस भौगोलिक क्षेत्र (जीए) के अंतर्गत आता है जिसमें बिहार के गोपालगंज, सीवान, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण जिले और उत्तर प्रदेश का देवरिया जिला शामिल है। पीएनजीआरबी ने मई, 2022 में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को भौगोलिक क्षेत्र में सीजीडी नेटवर्क के विकास के लिए प्राधिकृत किया है। पीएनजीआरबी द्वारा अधिदेशित न्यूनतम कार्य-कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) लक्ष्य के अनुसार, बीपीसीएल को वर्ष 2030 तक भौगोलिक क्षेत्र (जीए) में 10,10,999 पीएनजी कनेक्शन प्रदान करने हैं। जिनमें से दिनांक 31.05.2025 की स्थिति के अनुसार, बीपीसीएल ने गोपालगंज, सीवान, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण और देवरिया जिलों के जीए में 22,800 पीएनजी कनेक्शन प्रदान किए हैं।

मुजफ्फरपुर और सारन जिले उस भौगोलिक क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं जिसमें मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण और समस्तीपुर के जिले शामिले है। पीएनजीआरबी ने मार्च, 2019 में इस भौगोलिक क्षेत्र में सीजीडी नेटवर्क के विकास के लिए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) को प्राधिकृत किया है। पीएनजीआरबी द्वारा अधिदेशित न्यूनतम कार्य-कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) लक्ष्य के अनुसार, आईओसीएल को वर्ष 2029 तक इस भौगोलिक क्षेत्र में 10,06,975 पीएनजी कनेक्शन प्रदान करने हैं, जिनमें से दिनांक 31.05.2025 की स्थिति के अनुसार, आईओसीएल ने मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण और समस्तीपुर जिलों के जीए में 52,775 पीएनजी कनेक्शन प्रदान किए हैं।

सरकार के साथ-साथ पीएनजीआरबी भी सीजीडी नेटवर्कों की प्रगति की निगरानी करता है। इसमें कंपनियों द्वारा पीएनजीआरबी को प्रस्तुत रिपोर्टों के आधार पर प्रगति समीक्षा बैठकों के लिए उन्हें बुलाना, अधिकारियों द्वारा क्षेत्र दौरे, कंपनियों के साथ उनके प्राधिकृत भौगोलिक क्षेत्रों में एमडब्ल्यूपी लक्ष्यों को प्राप्त करने में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा, मौजूदा नियमों के तहत पीएनजीआरबी द्वारा वैधानिक सुनवाई आदि शामिल हैं। यदि कोई देरी अथवा कमी होती है, तो कंपनियों को सुधारात्मक कार्रवाई करने की सलाह दी जाती है।

*****